परिवारों को एकरूप करते हैं शिव स्वरूप !! अनुभव!!

कहते हैं आराम हराम है, और यह बात सही भी है। इस कहावत को अगर किसी ने समझा है तो वो हैं ब्रह्माकुमार शिव स्वरूप। जिन्होंने उम्र के 70 वें पड़ाव को पार करने के बाद भी अपने आपको सेवा के साथ जोड़ रखा है। वो अपने आपको खाली नहीं छोड़ना चाहते। उन्होंने इस उम्र में भी काफी कुछ मिसालें कायम की हैं जिनको आप सुनकर प्रेरणाएँ ले सकते हैं...

ब्र.कु. शिव स्वरूप,अमरोहा,उ.प्र.।

आपने पशुधन अधिकारी पद से सेवानिवृत्ति के पश्चात् मूल्य शिक्षा एवं आध्यात्मिकता में एम.एस.सी. किया। आपका इस परमात्म ज्ञान से परिचय 1974 में हुआ। आप वहाँ के स्थानीय शाखा मोहल्ला कोट से जुड़कर अध्यात्म के प्रचार में जुटे हैं। आज आप मूल्य परक शिक्षा को वरियता देते हैं, इससे आप उन परिवारों को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं जो बिखर चुके हैं। आपने 120 से अधिक परिजनों को बेटों के साथ रहने के लिए तैयार किया है। जो बुज़ुर्ग भी परेशान मिलता है वह उसके बच्चों से संपर्क कर उन्हें प्रेरित करते हैं और माँ-बाप को साथ रखने के लिए राज़ी करते हैं। नियमित उन परिवारों के संपर्क में रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करते हैं। स्कूल कॉलेजों में जाकर बच्चों को नैतिक शिक्षा का पाठ पढ़ाते हैं। आपने बताया कि आज स्कूल और कॉलेजों में नैतिक व मूल्यपरक शिक्षा की प्राथमिकता पर ज़ोर देने की बहुत आवश्यकता है।

आज आपके घर पर भी परमात्मा के ज्ञान के प्रसार हेतु ब्रह्माकुमारीज़ की पाठशाला है जिसका आप नियमित रूप से सफल संचालन करते हैं।

माइंड एप्प... - पेज 10 का शेष

ना दुःख क्योंकि ब्रेथ नैचुरल है। जो अननैचुरल है उसी से सुख या दुःख है।

डर मोह से है

अब देखो जाने या अनजाने आप किसी भी चीज़ से अटैच्ड हुए तो यही तो समस्या है, जहाँ रिलेशन है वहाँ ऊर्जा का प्रवाह है। जैसे आप एक कुत्ता घर में ले आते हैं, धीरे-धीरे उससे आप जुड़ जाते हैं, अब उसका सुख-दुःख आपका सुख-दुःख हो जाता है, लेकिन एक दिन तो आपको उससे अलग होना पड़ेगा ना! तरीका ये है कि ये कुत्ता मेरा नहीं है, मैं इसकी नर्स हूँ, जैसे ही आपने ये सोचा आप डिटैच हो गये, आपका डर भाग गया। डर अटैचमेंट से है, अब जितना लोग डर रहे हैं, इसका मतलब उनके माइंड में बहुत सारी फालतू की बातें खुली हुई हैं, चाहे वस्तु की, चाहे इंसान की, चाहे जानवर की या कोई और। इससे मन चल रहा है। जैसे ही आपने इससे अपने आप को हटाया और आस-पास का स्पेस देखा तो माइंड ब्लैंक हो जाएगा क्योंकि उसके पास कुछ देखने के लिए ही नहीं है। जैसे मुझे देखना है तो विचार आएंगे, कुछ नहीं है तो विचार नहीं आएंगे।

तो जायें इसके परे

लोग कहते क्या हैं कि विचार अच्छे आए तो अच्छा लगा, मज़ा आ गया, फिर और देखेंगे, कुछ अच्छा नहीं लगा तो भी विचार है। तो तरीका क्या है रीस्टार्ट करने का कि बीच-बीच में अपने माइंड को फ्री स्पेस दो। हमारे यहाँ मेडिटेशन में यही सिखाया जाता है कि आप अपने मन को खाली करने के लिए इस मन में एक स्टार ऑफ लाइट या प्वाइंट ऑफ लाइट विज़ुअलाइज़ करें और इस आकाश से परे अपने आपको ले जाना है जहाँ सिर्फ मैं हूँ और परमात्मा है जिसका आकार तो है लेकिन उसका कोई शरीर नहीं है, इसलिए हमको अच्छा या बुरा देखने का मन ही नहीं करेगा और हम शांत हो जाएंगे, फिर हमारा मन रूपी कंम्प्युटर हमेशा अच्छा ही चलेगा। तो माइंड को कुछ देखने की आदत पड़ी हुई है ना तो इसलिए वो बार-बार मोबाइल देखता है, बार-बार गलत चीज़ें देखता है, लेकिन उसे शांत करने के लिए फ्री करना पड़ेगा अर्थात् इस दुनिया से परे ले जाना पड़ेगा।

अभी आपने साउण्ड को बहुत सुना, अगर साइलेंस को सुनना है तो इन चित्रों के परतों को हटाना है। माइंड को ब्लैंक करना है, और जैसे ही ब्लैंक होगा तो हमको इस दुनिया से परे ले जाएगा जो कॉज़ लेस हैप्पीनेस होगी।

नंगल डैम-पंजाब। त्रिमूर्ति शिवजयंती पर ध्वजारोहण के पश्चात् प्रतिज्ञा करवाते हुए ब्र.कु. सुषमा। पवित्रता की प्रतिज्ञा करते हुए ब्र.कु. भाई बहनें।

गुमला-झारखण्ड। शिव ध्वजारोहण करते हुए कुम्हारी के उप प्रमुख शिवराम साहू, ब्र.कु. अमरमनी व अन्य ब्र.कु. भाई बहनें।

दिल्ली-मजलिस पार्क। महाशिवरात्रि पर शान्तियात्रा के लिए हरी झण्डी दिखाने के बाद कांग्रेस उपाध्यक्ष प्रवीण बूकरा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब.कु. राजकुमारी, ब्र.कु. शारदा व अन्य।

दिल्ली-ईस्ट पटेल नगर। महाशिवरात्रि के अवसर पर द्वादश ज्योतिर्लिंगम् दर्शन का उद्घाटन करते हुए मेयर रविन्द्र गुप्ता जी, विवेक मुनी जी महाराज, आचार्य स्मिथ नंदन, निगम पार्षद पूर्णिमा विद्यार्थी, ब्र.कु. राजेश्री व अन्य।

मथुरा-उ.प्र.। भगत सिंह पार्क में ब्रज के परंपरागत होली मिलन कार्यक्रम में लगाई गई आध्यात्मिक प्रदर्शनी का अवलोकन करने के पश्चात् चित्र में विधायक पुरन प्रकाश, विधायक प्रदीप माथुर, विधायक राजकुमार रावत, पूर्व राज्यमंत्री रविकांत गर्ग, नगरपालिका अध्यक्ष मनीष गुप्ता, ब्र.कु. कुसुम व ब्र.कु. प्रान्जल।

भीनमाल-राज.। 98वें विशाल नेत्र चिकित्सा शिविर के दौरान मंचासीन हैं निशक्तजन आयुक्त धन्नाराम पुरोहित, एस.डी.एम. चुन्नीलाल विश्नोई, तहसीलदार जवाराम चौधरी, डॉ. के. डी. चारण, ब्र.कु. गीता व अन्य।

जालंधर-पंजाब। डब्ल्यू.डब्ल्यू.ई. वर्ल्ड चैम्पियन-द ग्रेट खली को स्पोर्ट्स विंग की गतिविधियों से अवगत कराने के बाद ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. दीपक हरके, ब्र.कु. पूनम व ब्र.कु. रेखा।

गंगोह-उ.प्र.। वरिष्ठ पत्रकारों को ईश्वरीय संदेश देने के बाद चित्र में ब्र.कु. संतोष, ब्र.कु. प्रीति व अन्य।

कोलकाता। बाग बाज़ार गौड़ीया आश्रम की ओर से श्री चेतन महाप्रभु जन्म दिवस पर आयोजित रैली के समापन अवसर पर आयोजित धर्म सम्मेलन में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. पिंकी। मंचासीन हैं श्रीपद भक्तबिचार बिष्णु महाराज,अध्यक्ष,श्रीचैतन्य गौड़ीया मठ,दिल्ली, श्रीपद भक्तवैभव परजातक महाराज,अध्यक्ष,श्रीचैतन्य गौड़ीया मठ,मुम्बई, श्रीमत भक्तिरक्षक स्वामी महाराज,संपादक,विश्व बैष्णव राजस्व,जर्मनी व अन्य धर्म गुरूजन।

नांगल-पंजाब। नया नांगल के नेशनल फर्टिलाइज़र्स लि. के एच.आर.डी. हॉल में वुमेन एम्प्लॉइज़ के लिए `स्ट्रेस फ्री लाइफ' कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. पुष्पा, ब्र.कु. सीमा, श्रीमती मनु अमन,प्रथम महिला,एन.एफ.एल., श्रीमती रेणु आर.पी.सिंह.डी.जी.एम.,एच.आर. व अन्य।